कीर्तन वाली रात है | By Zubair Ajmeri

बोलो श्याम श्याम...बोलो श्याम श्याम

कीर्तन वाली रात है बाबा आ भी जाओ
सांवरिया आ भी जाओ
पलक बिछाए बैठे हैं हम आके दरस दिखाओ

करने तेरा अभिनन्दन ये दरबार सजाया
सुन्दर सुन्दर फूलों का गजरा भी मंगवाया
प्रेमी बैठे राह निहारे आकर मान बढ़ाओ

ज्योत जगाई तेरी चाव बहुत है भारी
भाँती भाँती का भोग है सारी है तैयारी
सूना है दरबार सांवरे आसन प्रभु जमाओ

भाव भरी मनुहार है आ जाओ वरदानी
भजनो की बौछार है अर्ज़ करे चोखानी
हाथ जोड़ के ज़ुबेर बैठा और नहीं तरसाओ

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%95%e0%a5%80%e0%a4%b0%e0%a5%8d%e0%a4%a4%e0%a4%a8-%e0%a4%b5%e0%a4%be%e0%a4%b2%e0%a5%80-%e0%a4%b0%e0%a4%be%e0%a4%a4-%e0%a4%b9%e0%a5%88-by-zubair-ajmeri/